085/X/SA2/02/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

संत कबीर का प्रतिपाद्य दो भागों में विभक्त किया जा सकता है - रचनात्मक और आलोचनात्मक। रचनात्मक विषयों में सतगुरु नाम, दया, क्षमा, संतोष, विचार आदि आते हैं। इनका प्रतिपादन व्यावहारिक शैली में कवि ने किया है। आलोचनात्मक विषयों में चेतावनी, कुसंग, धार्मिक कट्टरता, भेद-भाव, माया, कपट, कनक-कामिनी आदि हैं। इन विषयों पर विचार व्यक्त करते समय कबीर समाज-सुधारक, समन्वयकर्ता, पथ-प्रदर्शक और आलोचक के रूप में दृष्टिगत होते हैं। कबीरदास द्वारा रचित साखियों में ज्ञान, वैराग्य, भक्ति और योग को सुबोध रूप में प्रस्तुत किया गया है। पदों में कबीरदास ने आत्मा-परमात्मा, जीव-जगत्, भक्त-भगवान् और गुरु-शिष्य के स्वरूप को रूपकों और प्रतीकों द्वारा ललित शैली में अभिव्यक्त किया है। यद्यपि कबीरदास का उद्देश्य कविता रचना नहीं था, तथापि उनकी कविता सरस और भावमयी है।

(क) कबीर थे :

(i) अलोचक और रचनाकार (ii) कवि और आलोचक

(iii) संत और कवि (iv) समाज सुधारक और आलोचक

(ख) कबीरदास का प्रतिपाद्य किन दो भागों में विभक्त है?

(i) रचनात्मक और मौखिक (ii) सुधारात्मक और आलोचनात्मक

(iii) रचनात्मक और आलोचनात्मक (iv) आलोचनात्मक और व्यवहारात्मक

(ग) आलोचनात्मक विषयों में कबीर के विचार का विषय है :

(i) धार्मिक कट्टरता, भेदभाव और माया-कपट

(ii) दया, क्षमा, संतोष और विचार

(iii) सतगुरु-नाम, कुसंग और कनक-कामिनी

(iv) रहस्यवादी, आध्यात्मिक और भक्ति प्रधान

(घ) कबीर ने अपने पदों में किसका वर्णन नहीं किया है?

(i) नर-नारी (ii) आत्मा-परमात्मा

(iii) जीव-जगत (iv) गुरु-शिष्य

(ङ) कबीर की कविता है :

(i) नीरस और उबाऊ (ii) सरस और भावमयी

(iii) कठिन व दुरूह (iv) कठिन परंतु सरस

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत एक बड़े बाज़ार के रूप में सामने आ रहा है और प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से हम धीरे-धीरे उनके जाल में फँसते जा रहे हैं। बढ़ते बाज़ारवाद का ही प्रभाव है कि मुट्ठी भर आलू के टुकड़े मसाला लगाकर 'चिप्स' के रूप में १० - २० रुपए में मिल रहे हैं। मात्र कुछ पैसों की लागत से बना शीतल पेय 'कोल्ड ड्रिंक' के नाम से १० -२० रुपए में मिल रहा है। सौंदर्य निखारने के परंपरागत हल्दी-चंदन आदि अब महँगे ब्यूटी क्रीम तथा लोशन के रूप में मिल रहे हैं। खेती की उपजाऊ जमीन पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बहुमंज़िली इमारतें बन रही है। बाज़ारवाद और व्यापारिक लाभ तथा स्वार्थों के चलते फसलों की कीमतें ऊपर-नीचे की ओर जा रही है। फलत: किसान और मज़दूर आत्महत्या करने को मज़बूर हैं। सांस्कृतिक संक्रमण, खानपान, व्यापार, वेशभूषा तथा पर्वोत्सव आदि में अनेकत्र दिखाई दे रहा है। 'ग्लोबलाईजेशन' यानि भूमंडलीकरण नामक सिक्के का एक पहलू जहाँ आपसदारी है, वहीं दूसरा पहलू है बाजारीकरण यानि कि एक

देश का माल दूसरे के देश में खपाना। ज़रा सा गौर करेंगे तो पाएँगे कि भूमंडलीकरण के इस सिक्के के तो दोनों तरफ ही 'बाज़ारीकरण' लिखा है। भौतिकता और समृद्धि की इस होड़ में परस्पर सुख-दुख और सहयोग की परवाह भी किसे है'?

(क) 'बहुराष्ट्रीय कंपनियों' से तात्पर्य है -

(i) शक्तिशाली राष्ट्रों की कंपनियाँ (ii) राष्ट्र की बहुत सी कंपनियाँ

(iii) अनेक राष्ट्रों में व्यापार कर रही कंपनियाँ (iv) बहुत सी राष्ट्रीय कंपनियाँ

(ख) मुट्ठी भर आलू के टुकड़ों का चिप्स के रूप में बिकना क्या बताता है?

(i) बाज़ारवाद का प्रभाव (ii) बढ़ते फैशन का प्रभाव

(iii) पूँजीपतियों का बोलबाला (iv) बढ़िया स्वाद पाने का शौक

(ग) फसलों की कीमतें क्यों ऊपर-नीचे की जा रही हैं?

(i) फसल अच्छी नहीं हो रही। (ii) बाज़ार की माँग है

(iii) किसान लालची हो गए हैं। (iv) बाज़ारवाद और व्यापारिक लाभ के लिए।

(घ) ग्लोबलाइज़ेशन रूपी सिक्के के दो पहलू हैं :

(i) लाभ और बाज़ार (ii) स्वार्थ और लाभ

(iii) सेवा और बाज़ारीकरण (iv) आपसदारी और बाज़ारीकरण

(ङ) भौतिकता और समृद्धि की होड़ में मनुष्य खोता जा रहा है :

(i) आपसी सुख-दुख और सहयोग (ii) सुख और सुविधाएँ

(iii) समझदारी और न्यायप्रियता (iv) लाभ और धन

3. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

ज्यों निकल कर बादलों की गोद से
थी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी
सोचने फिर-फिर यही जी में लगी,
आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी?

दैव मेरे भाग्य में क्या है बदा,
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में?
या जलूँगी फिर अंगारे पर किसी,
चू पडूँगी या कमल के फूल में?

वह गई उस काल कुछ ऐसी हवा
वह समुन्दर ओर आई अनमनी
एक सुन्दर सीप का मुँह था खुला
वह उसी में जा पड़ी मोती बनी।

लोग यों ही हैं झिझकते, सोचते

जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर
किन्तु घर का छोड़ना अक्सर उन्हें
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

(क) एक बूँद कहाँ से निकलकर बढ़ी ?

(i) आकाश से
(ii) घर के भीतर से
(iii) बादलों की गोद से
(iv) मन के विचारों से

(ख) बूँद के भय का कारण था :

(i) ऊँचाई से गिरना
(ii) पहली बार घर छोड़ना
(iii) हवा के द्वारा बहाया जाना
(iv) अंगारों की गर्मी

(ग) घर छोड़कर दूर जाना ?

(i) खतरों से भय होता है।
(ii) जीवन में अच्छा परिवर्तन लाता है।
(iii) अकेला कर देता है।
(iv) हमें परिवार से बिछुड़ा देता है।

(घ) क्या होता यदि बूँद घर न छोड़ती :

(i) घर में मौज करती
(ii) कमल के फूल का सौंदर्य देख पाती
(iii) हवा के द्वारा झुलाई जाती
(iv) मोती न बन पाती

(ङ) काव्यांश का शीर्षक होगा :

(i) बूँद जब आगे बढ़ी।
(ii) मैं क्यों बढ़ी।
(iii) अनमनी
(iv) मोती बनी।

4. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :** 1x5=5

यदि कोई स्थान है जहाँ आज भी
सच्चाई किसी न किसी रूप में साँस ले रही है
तो वह गाँव ही है
इसीलिए वहाँ आसान शिकार मिलते हैं
सीवाने के आस-पास शिकार करने योग्य कुछ बचा ही नहीं
दो-चार जानवर बचे भी हैं तो
उन्होंने अपनी जीवन-शैलियाँ बदल ली हैं
अपनी पहचान छुपाने के साथ-साथ वे खुद शिकार करने लगे हैं
भेड़िए अब आर्थिक सच्चाइयाँ जान गए हैं
राजनीति किनके प्रति उदार है इसका उन्हें पता चल गया हैं
अब गाँव में कपड़े गिरगिट की खाल के बनने लगे हैं
वहाँ पर अब कपास कोई नहीं उगाता।

(क) उपर्युक्त पंक्तियों मे 'स्थान' से कवि का क्या आशय है ?

(i) गाँव (ii) शहर (iii) जंगल (iv) मंदिर

(ख) कवि ने 'गाँव' को किसका प्रतीक माना है ?

(i) पिछड़ापन (ii) अशिक्षा (iii) सच्चाई (iv) निर्धनता

(ग) प्रकृति में वही जीवित बचते हैं जो :

(i) गाँव में रहते हैं। (ii) समय के अनुसार अपने आपको ढाल लेते हैं।

(iii) जंगलों में रहते हैं। (iv) निडर होते हैं।

(घ) सीवानों के आस-पास शिकार के योग्य कुछ नहीं है क्योंकि :

(i) आबादी से वीरान क्षेत्र खत्म हो गया है (ii) अब शेर वीराने में रहने लगे हैं

(iii) वीराने में सिर्फ भेड़िए रहते हैं (iv) वीराने में सभी जानवर रहते हैं

(ङ) भेड़िए किस सच्चाई को जान गए हैं?

(i) शेरों का शिकार करना होगा। (ii) जीना है तो शिकार खुद करना होगा।

(iii) सिर्फ गिरगिटों का शिकार करना होगा। (iv) घास खाकर ही रहना होगा।

खण्ड - ख

5. (i) 'कितनी ही लारियाँ बाहर <u>घुमाई जा रही हैं</u>।' में रेखांकित पदबंध है : **1**

(क) संज्ञा (ख) विशेषण (ग) क्रिया (घ) क्रियाविशेषण

(ii) 'गुरुद्वारे में खड़ी मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करती रही।' - वाक्य में सर्वनाम पदबंध है - **1**

(क) गुरुद्वारे में खड़ी मैं (ख) मैं तुम्हारी

(ग) गुरुद्वारे में खड़ी (घ) तुम्हारी प्रतीक्षा

(iii) 'मदर टेरेसा की <u>अच्छाई</u> किसी से नहीं छिपी है।' में रेखांकित पद का परिचय है : **1**

(क) संज्ञा जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग। (ख) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग।

(ग) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग। (घ) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग।

(iv) 'अंजलि <u>तुरंत ही</u> वहाँ से चली गई।' में रेखांकित पद का परिचय है : **1**

(क) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'चली गई' क्रिया।

(ख) क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'चली गई' क्रिया।

(ग) क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'वहाँ से' क्रिया।

(घ) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'वहाँ से' क्रिया।

6. (i) 'जो चोर है उसे ही पुलिस पकड़ेगी।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है : **1**

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) संकेतवाचक

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है : **1**

(क) आप आसन पर बैठकर आराम करें।

(ख) आप आसन पर बैठें और आराम करें।

(ग) जब आप आसन पर बैठें तब आराम करें।

(घ) जब आपको आराम करना हो तब आसन पर बैठें।

(iii) 'साधु ने आशीर्वाद दिया और चला गया।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है : **1**

(क) मिश्र वाक्य (ख) इच्छावाचक

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) सरल वाक्य

(iv) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : **1**

(क) जैसे ही चाय तैयार हुई वैसे ही उसने प्याले में भर दी।

(ख) चाय तैयार हुई और उसने प्याले में भर दी।

(ग) चाय तैयार होने पर उसने प्याले में भर दी।

(घ) तैयार चाय उसके द्वारा प्याले में भरी गई।

7. (i) 'सूक्ति' का संधि-विच्छेद है : **1**

(क) स + उक्ति (ख) सा + ऊक्ति (ग) सु + उक्ति (घ) सू + ऊक्ति

(ii) 'अभि + उदय' की संधि है : **1**

(क) अभ्यूदय (ख) अभयुदय (ग) अभियूदय (घ) अभ्युदय

(iii) 'पीतांबर' समस्त पद का सही विग्रह है : **1**

(क) पीत है जो अंबर (ख) पीला अंबर का समूह

(ग) पीत का अंबर (घ) पीत और अंबर

(iv) 'राह के लिए खर्च' का समस्त पद है : **1**

(क) खर्चेराह (ख) रहेखर्च (ग) राहखर्च (घ) खर्चराह

8. (i) 'अमर ने चोरी करके परिवार कि ----------।' उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : **1**

(क) इज़्ज़त में चार चाँद लगा दिए (ख) इज़्ज़त मिट्टी में मिला दी

(ग) इज़्ज़त बढ़ा दी (घ) इज़्ज़त खाली कर दी

(ii) उस विद्यालय में अध्यापक का एक पद खाली हुआ और सैकड़ों आवेदन-पत्र आ गए। यह तो वही बात हुई ---------। उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। **1**

(क) मुँह में राम बगल में छुरी (ख) एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकती

(ग) एक अनार सौ बीमार (घ) अपना हाथ जगन्नाथ

(iii) 'अभी दिल्ली दूर है' लोकोक्ति का अर्थ है : **1**

(क) कभी कोई संबंध नहीं (ख) अब कहना कुछ, तब करना कुछ

(ग) अब मेहनत तो कल लाभ (घ) अभी बहुत कार्य बाकी

(iv) 'हँसी खेल न होना' मुहावरे का अर्थ है : **1**

(क) साधारण काम न होना (ख) आसान काम होना

(ग) सिर न झुकाना (घ) होश में आना

9. (i) निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है : **1**

(क) बच्चे को बोतल में डालकर दूध पिलाओ। (ख) बच्चे को बोतल में डाल दूध पिलाओ।

(ग) बोतल में दूध डालकर बच्चे को पिलाओ। (घ) बोतल में बच्चे को डालकर दूध पिलाओ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है : **1**

(क) अमन को पहले से मालूम था। (ख) तुम तुम्हारा काम करो।

(ग) मेरे को क्यों बोल रहे हो ? (घ) मैं क्या कर सकता हूँ ?

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : **1**

(क) तुम लोगों को यह काम करने चाहिएँ। (ख) हमें प्रतिदिन चरखा चलाना चाहिए।

(ग) मुझे कल लुधियाना जाना है। (घ) उसके पैर में दर्द है।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में अशुद्ध वाक्य है : **1**

(क) आपने यह क्या करा ? (ख) आप अपने घर चले जाओ।

(ग) माँ ने तुम्हें बुलाया है। (घ) देश पर प्राण न्यौछावर करना हमारा धर्म है।

खण्ड - ग

10. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :- **1x5=5**

जलते नभ में देख असंख्यक,
स्नेहहीन नित कितने दीपक;
जलमय सागर का उर जलता
विद्युत ले घिरता है बादल!
विहँस विहँस मेरे दीपक जल!

(i) प्रस्तुत पंक्तियों की कवयित्री हैं :

(क) मीराबाई (ख) लक्ष्मीबाई

(ग) महादेवी वर्मा (घ) सुभद्राकुमारी चौहान

(ii) 'स्नेहहीन दीप' से कवयित्री का अभिप्राय है :

(क) स्नेह से भरा दीप (ख) स्नेह रूपी दीप

(ग) तेल से भरा दीप (घ) तेल के बिना दीप

(iii) नभ में चमकते तारे कैसे लग रहे हैं ?

(क) बहुत सुंदर लग रहे हैं। (ख) बिना तेज के लग रहे हैं।

(ग) दीपक के समान लग रहे हैं। (घ) अच्छे नहीं लग रहे।

(iv) 'विद्युत ले घिरता है बादल' में भाव है :

(क) आसमान में चमकती बिजली। (ख) बिजली और बादल।

(ग) सागर से उत्पन्न होती बिजली। (घ) बादलों के बीच चमकती बिजली।

(v) 'विहँस-विहँस' से कवयित्री का आशय है :

(क) हँसते-हँसते (ख) मुस्कुराते-मुस्कुराते

(ग) बिना हँसे (घ) उदासीन भाव से

अथवा

जिंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर
जान देने की रुत रोज़ आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे
वो जवानी जो खूँ से नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुलहन साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

(i) प्रस्तुत गीत किस फिल्म के लिए लिखा गया?

(क) संगम (ख) हकीकत (ग) तीसरी कसम (घ) शहीद

(ii) इस गीत में 'तुम्हारे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) सैनिक (ख) शहीद (ग) राजनीतिज्ञ (घ) देशवासी

(iii) 'जिंदा रहने के मौसम बहुत हैं' से कवि क्या कहना चाहता है?

(क) जीवन को मस्ती से जीने के कई मौसम आएँगे।

(ख) अच्छे से जीना कम होता है।

(ग) आम आदमी की तरह जीने की जगह शहीद होना अच्छा है।

(घ) जीवन मुश्किल से मिलता है।

(iv) प्रेम और सौंदर्य दोनों कब बदनाम होते हैं?

(क) जब हम जंग जीत कर आते हैं। (ख) जब हम युद्ध में पीठ दिखाकर भाग जाते हैं।

(ग) जब हम देश के लिए खून नहीं बहाते। (घ) जब प्रेम के पुजारी बन जाते हैं।

(v) 'खूँ से नहाने' का क्या अर्थ है?

(क) रक्त से स्नान करना (ख) खून से तिलक करना

(ग) युद्ध में घायल होना (घ) युद्ध में शहीद होना

11. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **2½+2½=5**

(क) यह जानने के बाद कि कुत्ता जनरल साहब का है, ओचुमेलॉव के विचारों में क्या परिवर्तन आया? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) लेखक की माँ ने पूरा दिन रोज़ा क्यों रखा?–'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर बताइए।

(ग) 'पतझड़ में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर बताइए कि आप किस तरह का सोना पसंद करेंगे और क्यों?

(घ) सआदत अली कौन था उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों माना?

12. 'गिरगिट' कहानी में आप किस पात्र को 'गिरगिट' मानते हैं और क्यों? सोदाहरण उत्तर दीजिए। **5**

अथवा

'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर इस बात की पुष्टि कीजिए कि गाँधी जी में नेतृत्व की अद्‌भुत क्षमता थी।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

शाम को वह मुझे 'टी-सेरेमनी' में ले गए। जापानी में उसे चा-नो-यू कहते हैं। वह एक छह मंज़िली इमारत थी जिसकी छत पर दफ्ती की दीवारोंवाली और तातामी (चटाई) की ज़मीनवाली एक सुंदर पर्णकुटी थी। बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। हमने अपने हाथ-पाँव इस पानी से धोए। तौलिए से पोंछे और अंदर गए। अंदर 'चाज़ीन' बैठा था। हमें देखकर वह खड़ा हुआ। कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया। दो.... झो..... (आइए, तशरीफ़ लाइए)कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई अँगीठी सुलगाई। उस पर चायदानी रखी। बगल के कमरे में जाकर कुछ बरतन ले आया। तौलिए से बरतन साफ किए सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों। वहाँ का वातावरण इतना शांत था कि चायदानी के पानी का खदबदाना भी सुनाई दे रहा था।

(क) पर्णकुटी कैसी थी ? **1**

(ख) पर्णकुटी के बाहर कैसा बरतन था और उसका क्या उपयोग होता था ? **2**

(ग) चाज़ीन ने लेखक को देखकर क्या-क्या किया ? **2**

अथवा

हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वज़ीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के दिल में तो यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ नफ़रत कूट-कूटकर भरी है, उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(1) वज़ीर अली को पद से हटाने के बाद कहाँ भेजा गया तथा उसके लिए क्या तय किया गया ?

(2) वज़ीर अली के दिल में अंग्रेज़ों के लिए कैसी भावनाएँ थी ?

(3) वज़ीर अली ने वकील के साथ कैसा व्यवहार किया ? क्यों ?

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) 'मनुष्यता' कविता क्या संदेश देती है ? अपने शब्दों में लिखिए। **2**

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में कवि अंत में क्या प्रार्थना करता है ? **1**

(ग) बिहारी की नायिका 'कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात' क्यों कहती है ? इस कथन का सौंदर्य बताइए। **2**

15. 'इफ़्फ़न के बिना टोपी की कहानी अधूरी है' क्यों ? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। **3**

अथवा

'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर बताइए कि पी.टी. सर द्वारा दी गई 'शाबाशी' विद्यार्थियों को फौज़ के तमगों-सी क्यों लगती थी ?

16. 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर उदाहरण देकर लिखिए कि 'कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती ? **2**

खण्ड - घ

17. वायु प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण से वातावरण को सुरक्षित रखने के लिए दीवाली पर पटाखे न जलाने का अनुरोध जनहित में जारी करने की प्रार्थना करते हुए समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

राष्ट्रमंडल खेलों के सफल आयोजन की प्रशंसा करते हुए दिल्ली सरकार को पत्र लिखिए।

18. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - 5

(क) **भारतीय समाज और अंधविश्वास**
- अंधविश्वास का अर्थ
- प्रगति में बाधक
- जागृति की आवश्यकता

(ख) **देश की एकता और अखंडता**
- एकता से अखंडता की भावना
- एकता में बाधाएँ
- बाधाएँ दूर करने के उपाय

(ग) **विद्यार्थी और अनुशासन**
- अनुशासन का अर्थ
- अनुशासन क्यों
- कैसा अनुशासन, कैसे

- o 0 o -